

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, औसियाँ

राजस्व म्यूटेशन अपील संख्या 14/2018

अपीलान्तगण

- 01 श्रीमती जेठीदेवी पत्नी स्व श्री हरुराम जाति जाट उम्र 80 वर्ष निवासी श्रीराम नगर, तहसील औसिया जिला जोधपुर।
- 02 श्रीमती लाछोदेवी पत्नी श्री उरजाराम पुत्री स्व श्री हरुराम जाति जाट उम्र 50 वर्ष निवासी गोदारो की ढाणी, पडासला तहसील औसिया जिला जोधपुर।

बनाम

रेस्पोंडेन्टगण

- 01 पुनमाराम पुत्र स्व श्री हरुराम जाति जाट निवासी श्रीराम नगर तहसील औसियाँ जिला जोधपुर।
- 02 ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द, जरिये सरपंच

निर्णय दिनांक 26.08.2019

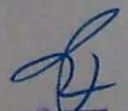
उपस्थित –

वकील अपीलान्त सांगाराम चौधरी  
रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 व 2 अनुपस्थित

निर्णय

संक्षिप्त मे अपील के तथ्य इस प्रकार है कि अपीलान्त संख्या 1 के पति अपीलान्त संख्या 2 के पिता हरुराम के खातेदारी कब्जा काशत की कृषि भूमि खसरा नम्बर 2844 रकबा 15 बीघा 4 बिस्वा, एवम् खसरा नम्बर 2843 रकबा 4 बिस्वा कुल खसरे 2 कुल रकबा 15 बीघा 8 बिस्वा जो हरुराम के अकेले के खातेदारी की कृषि भूमि थी एवम् खसरा नम्बर 2838 रकबा 73 बीघा 13 बिस्वा

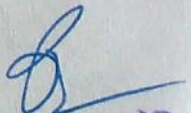


  
प्रहायक कलेक्टर, जोधपुर




जो कार्यवाही ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द के अकेले सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत की पूर्ण बैठक बुलाये बिना अपने मन माफिक तरीके से अन्जाम देते हुए नामान्तरकरण स्वीकृत किया गया। जो अकेले सरपंच नामान्तरकरण स्वीकार करने का अधिकार नहीं था। तथा नामान्तरकरण रेस्पोंडेंट संख्या 1 के नाम से स्वीकृत करने से पूर्व मृतक हरूराम के सभी वारिसान को सूचित कर बाद जांच नामान्तरकरण की कार्यवाही की जानी आवश्यक थी। जो कार्यवाही तत्कालीन सरपंच एवं राजस्व कर्मचारियों ने नहीं कर नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 को अकेले रेस्पोंडेंट संख्या 1 पूनमाराम के नाम स्वीकृत किया। जो नामान्तरकरण देखने मात्र से ही अब-इनिशियो यानि प्रारम्भत ही शुन्य है। रेस्पोंडेंट संख्या 1 पूनमाराम के नाम से गलत नामान्तरकरण स्वीकृत होने के पश्चात् राजस्व रेकार्ड मे पूनमाराम का नाम अमल दरामद होने एवम् जमाबन्दी अकेले पूनमाराम के नाम दर्ज होने की जानकारी अपीलान्तगण को रेस्पोंडेंट संख्या 1 ने नहीं होने दी। जबकि मौके पर कब्जा काश्त अपीलान्तगण का संयुक्त रूप से चला आ रहा है। हाल ही मे अपीलान्तगण व रेस्पोंडेंट संख्या 1 के मध्य पारिवारिक मनमुटाव होने एवम् आपसी लड़ाई झगडा होने से रेस्पोंडेंट संख्या 1 ने अपीलान्तगण को कृषि भूमि खसरा नम्बर 2844 रकबा 15 बीघा 4 बिस्वा, खसरा नम्बर 2843 रकबा 4 बिस्वा, व खसरा नम्बर 2838 रकबा 73 बीघा 13 बिस्वा से बाहर निकालने की धमकी दी। तथा यह भी धमकी दी कि इन खसरान की हरूराम की सम्पूर्ण जमीन मेरे नाम से दर्ज करवा दी है। जिस जमीन को कभी को भी किसी को भी बेचान हस्तान्तरण कर दूंगा आप मेरा कुछ भी नहीं बिगाड सकते हो। इतना सुनते ही अपीलान्तगण आश्चर्यचकित हो गये व हल्का पटवारी से सम्पर्क कर अपने संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि खसरा नम्बर 2844, 2843, 2838 की जमाबन्दी की नकले देने को कहा तब हल्का पटवारी ने दिनांक 10. 01.2018 को रेकार्ड देख कर बताया कि अपीलान्तगण का न तो राजस्व रेकार्ड



  
साहायक कलेक्टर, सोबित

मे हरुराम के फोट होने के समय से नाम ही अंकित नहीं हुआ है। तब अपीलान्ट ने राजस्व रेकार्ड हल्का पटवारी द्वारा दिखाने एवम् जानकारी प्राप्त होने पर दिनांक 10.01.2018 को नामान्तरकरण की नकल प्राप्त की। नकल प्राप्त होने पर अपीलान्टगण को सर्वप्रथम जानकारी मे आया कि अपीलान्टगण के हक व हिस्से की जमीन हडप करने की नियत से तत्कालीन सरपंच ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द एवम् राजस्व कर्मचारियों की मिली भगत से अपीलान्टगण का फोतेदगी म्यूटेशन नाम दर्ज करने से वंचित रखते हुए गलत नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 को ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा स्वीकृत किया गया था। जो नामान्तरकरण देखने मात्र से ही एब इनिशियो यानि प्रारम्भत शून्य है। रेस्पोजेन्ट संख्या 1 के हक मे रेस्पोजेन्ट संख्या 2 द्वारा नामान्तरकरण स्वीकृत करने मे तथ्यात्मक विधिक भूल की है। तथा हरुराम के 1976 मे स्वर्गवास होने के पश्चात् उनके प्रथम श्रेणी के वारिसान यानि उनकी पत्नि श्रीमति जेठी देवी, पुत्री श्रीमति लाछोदेवी एवम् पुत्र पुनमाराम, एक मात्र जीवित वारिसान है। जिनका संयुक्त रूप से कब्जा काशत विध्यमान है। ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द ने वारिसान की जांच किये बिना रेस्पोजेन्ट संख्या 1 से सांठगांठ करते हुए नामान्तरकरण स्वीकृत किया गया। जो विधि के प्रावधानो एवम् विधिवत वारिसान के विपरीत होने से तथा मृतक हरुराम के प्रथम श्रेणी वारिसान अपीलान्टगण को जान बूझ कर नामान्तरकरण मे अंकित करने से छुपाया गया। तथा ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द के तत्कालीन सरपंच ने अकेले ने ग्राम पंचायत की आम बैठक बुलाये बिना तथा बिना किसी प्रकार की जांच करवाये बिना किसी प्रकार के नोटिस दिये अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर नामान्तरकरण अकेले सरपंच ने स्वीकृत किया जो अकेला सरपंच निर्णय करने मे सक्षम नहीं है और न ही विधि मे ऐसा कोई प्रावधान है। तथा ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द ने नामान्तरकरण स्वीकृत करने मे अनियमितता की कार्यवाही की गई। मृतक हरुराम के दस्तावेज सम्बन्धी जांच किये बिना सम्पूर्ण कार्यवाही




  
बहालक इन्चार्जर, नोटिस

बिना किसी अधिकार के की जाकर रेस्पोजेन्ट संख्या 1 के नाम नामान्तरकरण स्वीकृत करने में त्रुटि की। तथा विधि विरुद्ध नामान्तरकरण स्वीकृत किया गया। जो ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा स्वीकृत नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 का निर्णय निरस्त किये जाने योग्य है।

अपीलान्त अधिवक्ता ने अपील प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा पारित स्वीकृत नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 को निरस्त किया जावे तथा नामान्तरकरण अपीलान्तगण श्रीमति जेठीदेवी एवम् श्रीमति लाछोदेवी के नाम स्वीकार किया जाने एवम् अन्य कोई आदेश जो अपीलान्तगण के पक्ष में हो पारित किया जावे। अपील के साथ अपीलान्तगण ने डिले कण्डोन करने के लिए धारा 5 परिसीमा अधिनियम का प्रार्थनापत्र मय शपथपत्र पेश कर अपील अन्दर मयाद शुमार करने का निवेदन किया गया है।

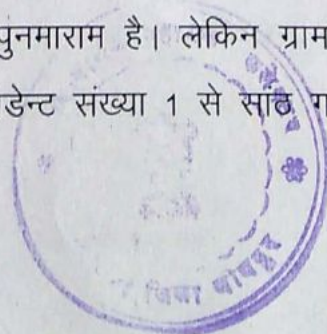
सर्व प्रथम मियाद के बिन्दु पर अपीलान्त के विद्वान वकील की बहस एक पक्षीय सुनी गई। विद्वान वकील अपीलान्त ने दलील दी कि नामान्तरकरण का आदेश शुरू से ही विधि के प्रावधानों की अवहेलना करके दिया गया है। तथा एब इनिशियो यानि प्रारंभ से ही शून्य है। शून्य आदेश के विरुद्ध अपीलान्त की जानकारी में आने पर अपील कभी भी पेश की जा सकती है। अपीलान्तगण को जैसे ही जानकारी प्राप्त हुई जानकारी से परिसीमा के अन्दर अपील पेश की गई है। मृतक हरूराम के प्रथम श्रेणी उत्तराधिकारी वारिस होने से अपीलान्तगण का पैतृक सम्पत्ति में अधिकार रखते हैं। लेकिन रेस्पोजेन्ट संख्या 1 ने तत्कालीन ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द के सरपंच एवम् राजस्व कर्मचारियों से मिलावट करके विधि विरुद्ध तथा प्रारंभ से ही शून्य निर्णय पारित करवाया है। जिसकी जानकारी अपीलान्तगण को दिनांक 10.01.2018 को होने पर अपील अन्दर मयाद प्रस्तुत की गई है। अपील को अन्दर मयाद शुमार किये जाने का निवेदन किया गया। अपनी दलील के समर्थन में न्यायिक



  
जिला कलेक्टर, खाबडा खुर्द

दृष्टान्त भी प्रस्तुत किये। जो न्यायिक दृष्टान्त आर आर डी 1989 पेज 45 लाम्बूराम बनाम राजस्थान राज्य, आर बी जे 2006 (13) पेज 1 देवीसिंह बनाम परमा, आर आर डी 2002 (फरवरी) पेज 65 श्रीमति श्यो. बाई बनाम शिभू व अन्य, का हवाला दिया। मयाद के बिन्दु पर अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 5 परिसीमा अधिनियम मय शपथपत्र तथा बहस का अध्ययन व मनन किया। अपीलान्तगण जेठी देवी व श्रीमति लाछो देवी एवम् रेस्पोजेन्ट संख्या 1 पूनमाराम मृतक हरूराम के प्रथम श्रेणी उत्तराधिकार वारिसान होते हुए भी मृतक हरूराम के एक मात्र वारिस रेस्पोजेन्ट संख्या 1 पूनमाराम को मान कर नामान्तरकरण स्वीकृत किया गया है जो प्रारंभ से ही शून्य है। तथा विद्वान अपीलान्तगण वकील ने अपनी बहस में प्रगट किया कि शून्य आदेश की अपीलान्तगण को जानकारी होने पर जानकारी से परिसीमा के अन्दर बिना विलम्ब के अपील पेश कर दी है। उपरोक्त विवेचन के प्रकाश में अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत परिसीमा कानून की धारा 5 के प्रार्थनापत्र को स्वीकार किया जाता है। तथा अपीलान्तगण द्वारा प्रस्तुत अपील को अन्दर मयाद मानते हुए डिले कण्डोन किये जाने का आदेश दिया जाता है।

अपीलान्त अधिवक्ता द्वारा नामान्तरकरण संख्या 228 आदेश दिनांक 31.12.1976 ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द के सम्बन्ध में वकील अपीलान्त की एक पक्षीय बहस सुनी गई। विद्वान वकील अपीलान्त ने अपील में वर्णित तथ्यों व आधारों को दोहराते हुए बहस की गई कि नामान्तरकरण संख्या 228 स्वीकृत करने में ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द ने विधिक एवम् तथ्यात्मक भूल की है। मृतक हरूराम के पुश्तैनी भूमि में हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तराधिकार तय होता है। जिसके अनुसार मृतक हरूराम के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकार में अपीलान्तगण श्रीमति जेठी देवी, श्रीमति लाछो देवी, एवम् रेस्पोजेन्ट संख्या 1 पुनमाराम है। लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच एवम् राजस्व कर्मचारियों ने रेस्पोजेन्ट संख्या 1 से साठ गांठ कर मृतक हरूराम की

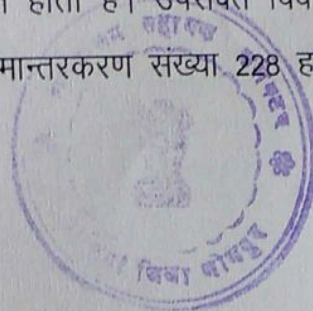



बहायक कलेक्टर, जयपुर

सम्पूर्ण भूमि को अकेले रेस्पोजेन्ट संख्या 1 के नाम दर्ज कर दी। एवम् शेष उत्तराधिकारी अपीलान्तगण श्रीमति जेठी देवी पत्नि हरुराम, श्रीमति लाछो देवी पुत्री हरुराम को अपने हक हकूको से महरूम कर दिया। साथ ही सरपंच ने नामान्तरकरण ग्राम पंचायत के समक्ष नहीं रख कर स्वयं अकेले के द्वारा स्वीकृत किया है जो अकेले सरपंच को नामान्तरकरण स्वीकृत करने का क्षेत्राधिकार प्राप्त नहीं है। तथा नामान्तरकरण स्वीकृत करने से पूर्व मृतक हरुराम के वारिसानो की न तो जांच की गई न ही सूचित ही किया गया। उपरोक्त कारणो से ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा दिनांक 31.12.1976 को स्वीकृत नामान्तरकरण संख्या 228 विधि के प्रावधानो के विपरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है। तथा नामान्तरकरण मृतक हरुराम के प्रथम श्रेणी उत्तराधिकार अपीलान्तगण एवम् रेस्पोजेन्ट संख्या 1 के नाम स्वीकार किया जावे। तथा नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा पारित निर्णय को निरस्त किया जावे।

हमने विद्वान वकील अपीलान्तगण की एक पक्षीय बहस पर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध रेकार्ड का अध्ययन किया।


ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 को स्वीकृत किया गया है। जो मृतक हरुराम के प्रथम श्रेणी के वारिसान अपीलान्तगण को वंचित रखते हुए एक मात्र वारिस पूनमाराम के नाम स्वीकार किया जाना जाहिर है। तथा सरपंच ने बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये तथा बिना किसी प्रकार वारिसान की जांच करके म्यूटेशन संख्या 228 पारित किया है। जो विधि की व्यवस्था के आगे ठहर नहीं सकता है। मृतक हरुराम के उत्तराधिकारी अपीलान्तगण श्रीमति जेठी पत्नि हरुराम, श्रीमति लाछो पुत्री हरुराम एवम् रेस्पोजेन्ट संख्या 1 पूनमाराम पुत्र हरुराम होना अपीलान्तगणो की दलीलो से प्रमाणित होता है। उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द ने नामान्तरकरण संख्या 228 हरुराम के प्रथम श्रेणी उत्तराधिकार



  
बहायक कलेक्टर, भोखिंद

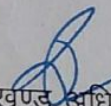
वारिसान की जांच किये बिना एवम् बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये स्वीकृत किया है। जो पूर्णतया नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 निरस्त किये जाने योग्य है। अतः नामान्तरकरण संख्या 228 दिनांक 31.12.1976 ग्राम पंचायत खाबडा खुर्द द्वारा पारित नामान्तरकरण निरस्त किया जाता है। तथा तहसीलदार औसिया को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि मृतक हरूराम के सभी वारिसान की जांच कर विधि के प्रावधानों के अनुसार सम्बन्धित पक्षों को सुनने का अवसर देकर नये सिरे से निर्णय लिया जाकर मृतक हरूराम के वारिसान के नाम नामान्तरकरण की कार्यवाही की जावे। प्रकरण ग्राम श्रीराम नगर के खसरा नम्बर 2844, 2843, 2838 के सम्बन्ध में नये सिरे से निर्णय हेतु प्रतिप्रेषित किये जाने हेतु निर्णय की प्रति तहसीलदार औसियों को प्रेषित की जावे।



  
उपखण्ड अधिकारी  
बिनायक कलेक्टर, भोजपुर  
औसियों

निर्णय खुले न्यायालय में दिनांक 26.08.2019 को सुनाया गया।



  
उपखण्ड अधिकारी  
बिनायक कलेक्टर, भोजपुर  
औसियों